शब्दबाणों का प्रहार
राष्ट्रबाण
मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार
सिवनी
संपादक : संजय बघेल
बुधवार 6 मई 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in ● वर्ष : 11 ● अंक : 05 ● पृष्ठ : 06 ● मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

@ PG 2

न्यूज ब्रीफ

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में 4 लोग लापता, 2 शव बरामद

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में मुगल रोड पर एक वाहन में सवार चार लोग लापता हो गए। सर्च ऑपरेशन में दो शव बरामद किए गए हैं। उनकी गाड़ी सड़क किनारे एक नाले में मिली। दोनों शव भी वहीं से बरामद हुए। फिलहाल बाकी दो लापता लोगों की तलाश जारी है। इलाके में कई टीमों को तैनात कर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। घटनास्थल के आसपास खाई है, जिससे सर्च ऑपरेशन में दिक्कत आ रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

बदली गई किताब एक हफ्ते में मार्केट में होगी उपलब्ध

नईदिल्ली। एनसीईआरटी की कक्षा 8 की सोशल साइंस की किताब, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने एक विवादित अध्याय के कारण बैन कर दिया था, अब संशोधित कर दी गई है। शिक्षा मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, यह नई किताब एक हफ्ते के भीतर बाजार में उपलब्ध हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, संशोधित किताब को एनसीईआरटी की एक्सपर्ट कमेटी ने मंजूरी दे दी है। अब सिलेबस कमेटी की बैठक के बाद अंतिम मंजूरी दी जाएगी। इसके बाद इसी हफ्ते प्रिंटिंग शुरू होने की उम्मीद है। यह मामला उस अध्याय से जुड़ा था, जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का जिक्र किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस सामग्री को 'आपत्तिजनक' बताते हुए किताब के प्रकाशन, रीप्रिंट और डिजिटल सर्कुलेशन पर पूरी तरह रोक लगा दी थी।

पिता ने दो मासूम बेटियों को जलाने की कोशिश की

बीड़। महाराष्ट्र के बीड़ जिले में एक व्यक्ति ने पारिवारिक विवाद के बाद अपनी दो नाबालिग बेटियों पर डीजल डालकर उन्हें आग लगाने की कोशिश की, लेकिन मौके पर मौजूद एक रिश्तेदार ने समय रहते उसे रोक लिया। पुलिस ने बताया कि यह घटना 2 मई को माजलगांव तहसील के लहामेवाड़ी गांव में हुई। आरोपी महेश विष्णु सोमासे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपी की पत्नी अश्विनी घरेलू विवाद के बाद अपने मायके में रह रही थी।

राष्ट्रबाण
अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमें कॉल कीजिए
सिर्फ 100 रुपए महीना
संपर्क : 7000427433

मोहन कैबिनेट की बैठक में कई निर्णय:एमपी में बनेगा व्यापारी कल्याण बोर्ड

मुख्यमंत्री होंगे बोर्ड के अध्यक्ष, एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने जिला स्तर तक बनेगी कमेटी

भोपाल | एजेंसी
rashtrabaan.in

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक हुई। कैबिनेट में निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड की तर्ज पर मप्र व्यापार कल्याण बोर्ड का गठन होगा। इसके अध्यक्ष सीएम डॉ. मोहन यादव होंगे। इसमें 8 विभागों के अलावा अशासकीय सदस्य भी बोर्ड में शामिल होंगे। साथ ही जिला स्तर पर बोर्ड का गठन कर सदस्यों को शामिल किया जाएगा। इसमें राजनीतिक और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि भी रहेंगे।

कैबिनेट की बैठक के बाद मंत्री चेतन कश्यप ने बताया कि बैठक में दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन के लिए 2442 करोड़ रुपए के प्रावधान को मंजूरी दी गई है। इसी तरह अलग अलग विभागों के लिए 38555 करोड़ रुपए के विकास कार्यों को भी मंजूरी दी गई है। भोपाल के समीप इलेक्ट्रॉनिक कलस्टर बनाया जा रहा है।

बंगाल में जीत पर जनता का धन्यवाद दिया

सीएम ने भाजपा को बंगाल असम पुडुचेरी में ऐतिहासिक सफलता मिलने पर पीएम मोदी का विशेष धन्यवाद जताया। वहीं मंत्रिमंडल ने झालमुड़ी खाकर खुशियां मनाई।

सीएम ने बताया कि अभी तक 41लाख मीट्रिक टन गेहूं उपार्जित किया जा चुका है, इसका 6520 करोड़ का भुगतान भी किया जा चुका है। 14 लाख 70 हजार किसानों की बुकिंग हुई है।

कैबिनेट बैठक में इन्हें मिली मंजूरी

- ग्रामीण सड़कों एवं अन्य जिला मार्गों के निर्माण और उन्नयन संबंधी कार्य शुरू रखने को भी मंजूरी दी गई। सड़क सुरक्षा से संबंधित कार्य संबंधित योजना को भी 16 वें वित आयोग के लिए चालू रखने का फैसला लिया गया। 16वें वित आयोग की अवधि (2026-2031) के लिए सड़क निर्माण, ग्रामीण मार्गों के उन्नयन और शासकीय आवासों के रखरखाव के लिए सर्वाधिक 32 हजार 405 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।
- स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क की स्थापना और सूचना प्रौद्योगिकी निवेश प्रोत्साहन को जारी रखने का फैसला हुआ।
- औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के अंतर्गत अंतराष्ट्रीय व्यापार संबंधी वातावरण प्रदान करने के लिए और प्रदेश में निर्यात को बढ़ावा देने के लिए राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड एवं जिला स्तरीय समिति के गठन पर फैसला।
- महिला एवं बाल विकास के अंतर्गत नवीन आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण और 'मिशन वात्सल्य' के सुचारू संचालन के लिए 2,412 करोड़ रुपये तथा आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए 1,295 करोड़ 52 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

ममता बोलीं- इस्तीफा नहीं दूंगी, हम हारे नहीं, हराया गया: चुनाव आयोग विलेन

भाजपा से मिलकर 100 सीटें लूटीं, मैं आजाद पंछी, शेर की तरह लड़ूंगी

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा- मैं सीएम पद से इस्तीफा नहीं दूंगी। हम जनादेश से नहीं, साजिश से हारे हैं। इसलिए इस्तीफा देने राजभवन नहीं जाऊंगी। ममता ने आगे कहा- चुनाव आयोग असली विलेन है। उसने भाजपा के साथ मिलकर 100 सीटें लूटीं। अब मेरे पास कोई कुर्सी नहीं है, मैं आजाद पंछी हूं। कहीं से भी चुनाव लड़ सकती हूं, सड़कों पर रहूंगी।

ममता ने आरोप लगाया- भाजपा ने काउंटिंग सेंटरों पर कब्जा कर लिया था। मेरे साथ बदसलूकी की। उम्मीदवारों और कार्यकर्ताओं के साथ अत्याचार किया। पार्टी और इंडिया गठबंधन के नेता मेरे साथ हैं। हम फिर से उभरेंगे और शेर की तरह लड़ेंगे। पश्चिम बंगाल सहित 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे सोमवार को आ चुके हैं। बंगाल में भाजपा ने 293 में से 207 सीटें जीत ली हैं। पार्टी 9 मई को राज्य में पहली बार सरकार बनाने जा रही है। ट्रस्ट सिर्फ 80 सीटें जीत सकी। 15 साल बाद ममता के हाथ से सत्ता चली गई है।

वहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मारपीट वाले बयान पर बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल ने कहा, 'मैंने जिला निर्वाचन अधिकारी से बात की। उन्होंने बताया कि ऐसी कोई घटना नहीं हुई।

ममता बोलीं- चुनाव आयोग के खिलाफ कदम उठाएंगे

मैं इस्तीफा नहीं दूंगी, मैं हारी नहीं हूं। मेरे इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता। इसलिए राजभवन नहीं जाऊंगी। वे ऑफिशियली हमें हरा सकते हैं, लेकिन नैतिक रूप से हम चुनाव जीते हैं। चुनाव से दो दिन पहले हमारे लोगों को गिरफ्तार किया गया। जगह-जगह छापे मारे गए। आईपीएस-आईएएस अधिकारियों का तबादला किया गया। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री इसमें सीधे तौर पर शामिल हैं। मैंने राजीव गांधी, मनमोहन सिंह, वाजपेयी सहित कई सरकारें देखीं, लेकिन ऐसा अत्याचार कभी नहीं देखा। अत्याचार की कोई सीमा नहीं रही। यहां लोगों को प्रताड़ित किया गया। पहले राउंड की काउंटिंग के बाद ही वे कहने लगे कि भाजपा 195-200 सीटें जीत रही है। अंतिम नतीजे का इंतजार नहीं किया। बीजेपी वालों ने पोलिंग स्टेशन के अंदर घुसकर लोगों और काउंटिंग एजेंट्स को पीटना शुरू कर दिया। हम चुनाव आयोग के खिलाफ कदम उठाएंगे। क्या करेंगे, यह अभी नहीं बताएंगे। दूसरी बात, हमने फैसला किया है कि 5 सांसदों समेत 10 लोगों की एक फैक्ट-फाइंडिंग कमेटी बनाई जाएगी।

देश की 78% आबादी और 72% भूभाग पर अब भाजपा+ का राज

गंगासागर से कन्याकुमारी तक पांच राज्यों के चुनावी नतीजों ने भाजपा विरोधी राजनीति के बड़े 'पॉवर सेंटर्स' को बड़ा झटका दिया है। ममता बनर्जी और एमके स्टालिन भाजपा को चुनौती देने वाले प्रमुख चेहरे थे। बंगाल (42) और तमिलनाडु (39) लोकसभा की 81 सीटें तय करते हैं। इनके ढहने से इंडिया गठबंधन पिछड़ गया। केरल में कांग्रेस की जीत उसे राहत देती है, लेकिन यह बढ़त विपक्ष में नई खींचतान शुरू करेगी। अब विपक्ष की लड़ाई सत्ता की नहीं, प्रासंगिकता बचाने की हो गई है।

ममता के बयान पर सुवेंदु बोले- सब कुछ संविधान में लिखा है

ममता बनर्जी के इस्तीफा नहीं देने के बयान पर भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सब कुछ संविधान में लिखा है। सुवेंदु ने ममता को उनके गढ़ भवानीपुर सीट से हराया है। इससे पहले 2021 में भी उन्होंने सीएम ममता को नंदीग्राम से हराया था।

7 मई को तमिलनाडु सीएम पद की शपथ लेंगे विजय

एक्टर-पॉलिटिशियन विजय 7 मई को तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। सूत्रों के मुताबिक शपथ ग्रहण समारोह चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम अपने पहले ही चुनाव में 234 में 108 सीटें जीत गई है।

यूएई में 3 भारतीयों के घायल होने पर भारत नाराज

मोदी बोले- इसे स्वीकार नहीं करेंगे; ऑयल पोर्ट पर ईरान ने कल हमला किया था

तेल अवीव | एजेंसी
rashtrabaan.in

यूएई के फुजैराह में ऑयल पोर्ट पर ईरानी हमले को लेकर भारत ने विरोध जताया है। इस हमले में 3 तीन भारतीय नागरिक घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है।

भारत ने सभी पक्षों से तुरंत हिंसा बंद करने और आम लोगों को निशाना नहीं बनाने की अपील की है। भारत ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही बिना रुकावट जारी रहनी चाहिए।

इससे पहले यूएई ने दावा किया था उसने ईरान की 12 बैलिस्टिक, 3 क्रूज मिसाइल और 4 ड्रोन को कामयाबी से रोक दिया है। हालांकि ईरान ने इस पूरे मामले पर कोई बयान जारी नहीं किया है।

पीएम मोदी ने भी इस घटना को लेकर पोस्ट किया और कहा कि आम लोगों और जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाना स्वीकार नहीं किया जाएगा।

बड़े अपडेट्स...

1. **यूएई के ड्रोन प्लांट पर हमला:** ईरान ने यूएई के फुजैराह में एक पेट्रोलियम प्लांट पर ड्रोन हमला किया। इससे इंडस्ट्री एरिया में आग भड़क उठी। इसमें 3 भारतीय भी घायल हुए हैं।
2. **प्रोजेक्ट फ्रीडम शुरू:** अमेरिका ने होर्मुज के आसपास प्रोजेक्ट फ्रीडम पहल शुरू किया। इसके तहत होर्मुज में फंसे विदेशी जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद करने का वायदा किया गया है।
3. **साउथ कोरियाई जहाज पर हमला:** होर्मुज स्ट्रेट में दक्षिण कोरिया के एक जहाज पर हमला हुआ जिससे आग लग गई। ट्रम्प का कहना है कि यह हमला ईरान ने किया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

जेईई पास आउट युवती 3000 में बनीं सॉल्वर

अगले दिन खुद का था बीटेक का पेपर, बोली- फ्रेंड की बहन की जगह आई हूं

उज्जैन | एजेंसी
rashtrabaan.in

उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में सोमवार (4 मई) को बीकॉम परीक्षा में पकड़ाई छात्रा को लेकर चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। माधव नगर पुलिस ने जांच में सामने आया है कि पकड़ी गई युवती खुद जेईई जैसी कठिन परीक्षा पास कर चुकी है।

अभी वह उज्जैन के गवर्मेंट इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक की पढ़ाई कर रही है। खास बात यह है कि मंगलवार को उसका खुद का बीटेक का पेपर था, लेकिन उससे एक दिन पहले वह दूसरी छात्रा की जगह बीकॉम की परीक्षा देने पहुंच गई। लेकिन, इस दौरान एनएसयूआई नेता तरुण परिहार ने शिकायत कर दी। इसके बाद यूनिवर्सिटी के वाघ देवी भवन में चल रही बीकॉम छठवें सेमेस्टर की परीक्षा में जांच की गई। यहां सपना भदौरिया की जगह इंदौर निवासी विशाखा माहेश्वरी परीक्षा देती मिली। फोटो मिलान कराने पर पता चला कि परीक्षा दे रही युवती असली छात्रा नहीं है। इसके बाद उसे परीक्षा नियंत्रक कक्ष में बैठाकर पूछताछ की गई।

इंडिगो फ्लाइट में पावर बैंक ब्लास्ट : 5 पैसेंजर घायल

बैग में रखा था; हैदराबाद से चंडीगढ़ आए सभी 198 यात्रियों को इमरजेंसी गेट से निकाला

चंडीगढ़ | एजेंसी
rashtrabaan.in

हैदराबाद से चंडीगढ़ आ रही इंडिगो फ्लाइट 6ई 108 में मंगलवार को पावर बैंक में ब्लास्ट हो गया। इससे 5 यात्री घायल हो गए। पावर बैंक एक यात्री के बैग में रखा था।

घटना उस समय हुई, जब फ्लाइट एयरपोर्ट पर खड़ी थी। हादसे के बाद फ्लाइट में धुआं भर गया, जिससे यात्री घबरा गए। यात्रियों को इमरजेंसी गेट से निकाला गया। कुछ फोटो भी लोगों ने शेयर किए हैं। जिसमें एक महिला को एंबुलेंस में ले जाया गया था। क्रू मेंबर्स ने तुरंत फायर सेफ्टी उपकरणों का इस्तेमाल कर आग पर काबू पाया।

अभी तक यह साफ नहीं हुआ के पावर बैंक ब्लास्ट कैसे हुआ। पुलिस और एयरपोर्ट अथारिटी की टीमें जांच कर रही हैं। इंडिगो की ओर से जारी बयान में कहा गया कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तुरंत विमान खाली कराया गया और संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचना दी गई। सभी यात्रियों को सुरक्षित तरीके से टर्मिनल तक पहुंचाया गया, जहां एयरलाइन की टीम उनकी सहायता में जुटी रही।

दिल्ली में ओले गिरे, हरियाणा में तूफान से 15 हजार पेड़ उखड़े; राजस्थान-हिमाचल में पारा गिरा

यूपी-बिहार में आंधी-बिजली से 24 घंटे में 31 मौतें

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में चक्रवात बनने से देश के बड़े हिस्से में मौसम बदल गया है। दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश से लेकर तमिलनाडु तक ट्रफ बनी हुई है, जिससे उत्तर, मध्य और दक्षिण भारत में बारिश का असर है।

दिल्ली में मंगलवार दोपहर को ओले गिरे। पिछले 24 घंटे में उत्तर प्रदेश, बिहार समेत पूर्वोत्तर के राज्यों में आंधी और तेज बारिश हुई। यूपी में आंधी-बारिश से 8 लोगों की मौत हो गई। पीलीभीत में ईंट-भट्टे की 100 फीट ऊंची चिमनी ढह गई।

बिहार में 22 जिलों में आंधी-बारिश हुई। बिजली गिरने से 7 बच्चों समेत 23 लोगों की मौत हो गई। 2 महिलाएं झुलस गईं। आज 18 जिलों तेज बारिश का अलर्ट है। राजस्थान में सोमवार को तापमान में 8 डिग्री की गिरावट आई। जयपुर समेत कई शहरों का अधिकतम तापमान 35डिग्री से कम रहा। हरियाणा में तेज आंधी से 15 हजार से ज्यादा पेड़ उखड़ गए।

हिमाचल प्रदेश के सोलन का तापमान सोमवार को 4.8डिग्री रहा। यह मई महीने का अब तक का सबसे कम तापमान है। इससे पहले

मध्य प्रदेश: राज्य में स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव

मध्य प्रदेश में मई महीने में तेज गर्मी की जगह बारिश और आंधी की स्थिति है। सोमवार को 15 जिलों बारिश और ओलावृष्टि का असर रहा। कई जगहों पर तेज आंधी भी चली। मौसम विभाग ने आज भोपाल समेत 39 जिलों में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है।

अगले 2 दिन के मौसम का हाल

6 मई: जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बारिश के साथ 30-50 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, यूपी और राजस्थान में तेज आंधी-बारिश का अलर्ट है। बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में बारिश के साथ बिजली गिरने का खतरा है।

7 मई: असम, मेघालय और अरुणाचल में बिजली गिरने और कुछ जगह भारी बारिश का अलर्ट है। यूपी, बिहार, झारखंड और ओडिशा में बिजली गिरने का खतरा बना रहेगा। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और दक्षिण भारत के हिस्सों में तेज हवा के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

पीआईएल अब पैसा इंटरेस्ट लिटिगेशन बनी

सबरीमाला केस में वकीलों ने याचिका लगाई; जज ने कहा- अपने लोगों के लिए काम करें

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (जनहित याचिका) अब प्राइवेट इंटरेस्ट और पब्लिसिटी इंटरेस्ट, पैसा इंटरेस्ट लिटिगेशन और पॉलिटिकल इंटरेस्ट लिटिगेशन बन गई हैं। यह कमेंट नौ जजों की संविधान बेंच ने केरल के सबरीमाला मंदिर से जुड़ी याचिकाओं की सुनवाई के दौरान किया।

कोर्ट ने इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन के 2006 में पीआईएल के मकसद पर सवाल उठाया, जिसमें केरल के सबरीमाला मंदिर में 10 से 50 साल की महिलाओं के प्रवेश पर रोक को चुनौती दी गई थी।

कोर्ट ने कहा कि पीआईएल कानून की प्रोसेस का गलत इस्तेमाल है और एसोसिएशन को ऐसी पीआईएल फाइल करने के बजाय बार और अपने युवा सदस्यों की भलाई के लिए काम करना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में धार्मिक जगहों पर महिलाओं के साथ भेदभाव और अलग-अलग धर्मों में धार्मिक आजादी के दायरे से जुड़ी याचिकाओं पर 11वें दिन की सुनवाई चल रही है। सितंबर 2018 में 5 जजों की संविधान बेंच ने 4:1 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए सबरीमाला अयप्पा मंदिर में 10 से 50 साल की महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक हटा दी थी। तब कोर्ट ने कहा था कि सदियों पुरानी हिंदू धार्मिक प्रथा गैर-कानूनी और असंवैधानिक है।

आज की आवश्यकता

सब्जी बगीचा

अच्छे स्वास्थ्य के लिए दैनिक आहार में संतुलित पोषण का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। फल एवं सब्जियाँ इसी संतुलन को बनाए रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते है क्योंकि ये विटामिन, खनिज लवण तथा कार्बोज के अच्छे स्रोत होते हैं। फिर भी ये जरुरी हैं कि इन फल एवं सब्जियों की नियमित उपलब्धता बनी रहे. इसके लिए घर के पिछवाडें मे पडी जमीन पर खेती करना बहुत ही लाभदायक उपाय हैं। पोषाहार विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित भोजन के लिए एक वयस्क व्यक्ति को प्रतिदिन 85 ग्राम फल और 300 ग्राम साग–सब्जियों का सेवन करना चाहिए। परन्तु हमारे देश में साग–सब्जियों का वर्तमान उत्पादन स्तर प्रतिदिन, प्रतिव्यक्ति की खपत के हिसाब से मात्र 120 ग्राम है।

सब्जी बगीचा

- उपलब्ध स्वच्छ जल के साथ रसोईघर एवं स्नानघर से निकले पानी का उपयोग कर घर के पिछ्वाड़े में उपयोगी साग-सब्जी उगाने की योजना बना सकते हैं।
- एकत्रित अनुपयोगी जल का निष्पादन हो सकेगा और उससे होने वाले प्रदूषण से भी मुक्ति मिल जाएगी।
- सीमित क्षेत्र में साग-सब्जी उगाने से घरेलू आवश्यकता की पूर्ति भी हो सकेगी।

- सब्जी उत्पादन में रासायनिक पदार्थों का उपयोग करने की जरूरत भी नहीं होगी।

अतः यह एक सुरक्षित पद्धति है तथा उत्पादित साग-सब्जी कीटनाशक दवाईयों से भी मुक्त होंगी।

सब्जी बगीचा के लिए स्थल

सब्जी बगीचा के लिए स्थल घर का पिछ्वाड़ा ही होता है जिसे हम लोग बाड़ी भी कहते हैं। यह सुविधाजनक स्थान होता है क्योद्धक परिवार के सदस्य खाली समय में साग-सब्जियों पर ध्यान दे सकते हैं तथा रसोईघर व स्नानघर से निकले पानी आसानी से सब्जी की क्यारी की ओर घुमाया जा सकता है।

सब्जी बगीचा का आकार भूमि की उपलब्धता और व्यक्तियों की संखया पर निर्भर करता है। चार या पाँच व्यक्ति वाले औसत परिवार के लिए 1/20 एकड़ जमीन पर की गई सब्जी की खेती पर्याप्त हो सकती है।

पौधा लगाने के लिए खेत तैयार करना

सर्वप्रथम 30-40 सेंमी की गहराई तक कुदाली या हल की सहायता से जुताई करें। खेत से पत्थर, झाड़ियों एवं बेकार के खर-पतवार को हटा दें। खेत में अच्छे ढंग से निर्मित 100 कि.ग्राम कृमि खाद चारों ओर फैला दें। आवश्यकता के अनुसार 45 सेंमी या 60 सेंमी की दूरी पर मेड़ या क्यारी बनाएँ।

सब्जी बीज की बुआई और पौध रोपण

सीधे बुआई की जाने वाली सब्जी जैसे -भिंडी, पालक एवं लोबिया आदि की बुआई मेड़ या क्यारी बनाकर की जा सकती है। दो पौधे 30 सेंमी की दूरी पर लगाई जानी चाहिए। प्याज, पुदीना एवं धनिया को खेत के मेड़ पर उगाया जा सकता है।प्रतिरोपित फसल, जैसे - टमाटर, बैगन और मिर्ची आदि को एक महीना पूर्व में नर्सरी बेड या टूटे मटके में उगाया जा सकता है। बुआई के बाद मिट्टी से ढ़ककर उसके ऊपर 2सब्जी बगीचा का मुखय उद्देश्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना है तथा वर्ष भर घरेलू साग-सब्जी की आवश्यकता की पूर्ति करना है। बगीचा के एक छोर पर बारहमासी पौधों को उगाया जाना चाहिए जिससे इनकी छाया अन्य फसलों पर न पड़े तथा अन्य साग-सब्जी फसलों को पोषण दे सकें। बगीचा के चारों ओर तथा आने-जाने के रास्ते का उपयोग विभिन्न अल्पावधि हरी साग-सब्जी जैसे - धनिया, पालक, मेथी,पुदीना आदि उगाने के लिए किया जा सकता है।

50 ग्राम नीम के फली का पाउडर बनाकर छिड़काव किया जाता है ताकि इसे चीटियों से बचाया जा सके। टमाटर,गोभी, बैगन, मिर्ची के लिए 25-30 दिनों की बुआई के बाद तथा प्याज के लिए 40-45 दिनों के बाद पौधे को नर्सरी से निकाल दिया जाता है।टमाटर, बैंगन और मिर्ची को 30-45 सेंमी की दूरी पर मेड़ या उससे सटाकर रोपाई की जाती है। प्याज के लिए मेड़ के दोनों ओर रोपाई की जाती है। रोपण के बाद पौधों की सिंचाई की जाती है।

प्रारंभिक अवस्था में इस प्रतिरोपण को तीन -चार दिन बाद पानी दिया जाए तथा बाद में 6-7 दिनों के बाद पानी दिया जाए।

सब्जी बगीचा का मुखय उद्देश्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना है तथा वर्ष भर घरेलू साग-सब्जी की आवश्यकता की पूर्ति करना है। बगीचा के एक छोर पर बारहमासी पौधों को उगाया जाना चाहिए जिससे इनकी छाया अन्य फसलों पर न पड़े तथा अन्य साग-सब्जी फसलों को पोषण दे सकें। बगीचा के चारों ओर तथा आने-जाने के रास्ते का उपयोग विभिन्न अल्पावधि हरी साग-सब्जी जैसे - धनिया, पालक, मेथी,पुदीना आदि उगाने के लिए किया जा सकता है।

फसल चक्र

वर्षा, शरद और ग्रीष्म की फसलें तालिका में बतलाए अनुसार लेना चाहिए -

वर्ष भर उगाने के लिए फसल चक्र

खरीफ	रबी	जायद	खरीफ	रबी	जायद
पालक	मिर्च	ककडी	बैंगन	मूली	भिण्डी
तरोई	लहसून	छप्पन कद्दू	लोबिया	आलू	कद्दू
टमाटर	मैथी	तरबूज	मूली	प्याज	धनिया
टिण्डा	मटर	टमाटर	प्याज	पालक	करेला
भिण्डी	पत्तागोभी	करेला	भिण्डी	मूली	तरोई
लौकी	आलू	खरबूज	धनिया	फूलगोभी	लौकी
फूलगोभी	धनिया	प्याज	पुदीना	पुदीना	पुदीना
मिर्च	बाकला	टिण्डा	केला	केला	केला
ग्वार	बैंगन	बैंगन	नींबू	नींबू	नींबू
मिर्च	गाजर	पालक	पपीता	पपीता	पपीता

बारहमासी खेत

सहजन की फली, केला, पपीता, कढ़ी पता उपरोक्त फसल व्यवस्था से यह पता चलता है कि वर्षभर बिना अंतराल के प्रत्येक खेत में कोई न कोई फसल अवश्य उगाई जा सकती है। साथ ही, कुछ क्यारियों में एकसाथ दो फसलें (एक लम्बी अवधि वाली और दूसरी कम अवधि वाली) भी उगाई जा सकती है।

सब्जी बगीचा निर्माण के आर्थिक लाभ

व्यक्ति पहले अपने परिवार का पोषण करता उसके बाद बेचता है। आवश्यकता से अधिक होने पर उत्पाद को बाजार में बेच देता है या उसके बदले दूसरी सामग्री प्राप्त कर लेता है। कुछ मामले में घरेलू बगीचा आय सृजन का प्राथमिक उद्देश्य बन सकता है। अन्य मामले में, यह आय सृजन उद्देश्य के बजाय पारिवारिक सदस्यों के पोषण लक्ष्य को पूरी करने में मदद करता है। इस तरह, यह आय सृजन और पोषाहार का दोहरा लाभ प्रदान करता है।

चना

चना मध्य प्रदेश की एक महत्वपूर्ण दलहनी फसल है। प्रदेश में देशी, काबुली और गुलाबी चना की फसल सफलतापूर्वक ली जाती है। प्रदेश में लगभग 28.50 लाख हेक्टेयर में चने की फसल ली जाती है तथा उत्पादन लगभग 24.76 लाख टन है। इस प्रकार मध्यप्रदेश पूरे देश में सबसे अधिक चना उत्पादन वाला प्रदेश है। प्रदेश की औसत उपज लगभग 900 किलोग्राम प्रति हेक्टर है। चना उत्पादन की उन्नत तकनीक को अपनाना आवश्यक है।

भूमि का चुनाव एवं खेत की तैयारी – चना फसल के लिए सबसे उपयुक्त मध्यम से भारी भूमि होती है। भूमि का पी.एच.मान 5.6 से 8.6 के बीच होता होना चाहिए। हल्की भूमि में चना फसल लेने की बाध्यता होने पर उसमें गोबर की खाद या हरी खाद का आवश्यक रूप से उपयोग करना चाहिए जिससे भूमि की जल धारण क्षमता बढ़ जाए। जिन खेतों में खरीफ फसल नहीं ली गई हो दो बाद आड़ा एवं खड़ा बखर चलाकर नमी को संरक्षित करें। जहां खरीफ फसल ली गई है वहां फसल की कटाई के तुरंत बाद पहले दिन एक बखर चलाकर दूसरे दिन उसके विपरीत दिशा में दूसरी बार पाटा सहित बखर चलाएं और खेत को बोने के लिए तैयार करें। खरीफ फसलों के अवशेषों को खेत से बाहर निकालें।

उन्नत किस्में – चने की उन्नत किस्मों का चुनाव भूमि के प्रकार सिंचाई जल की उपलब्धता व पिछले वर्षो में रोगों के प्रकोप की स्थिति आदि को ध्यान में रखकर ही करें। विभिन्न जातियों का प्रमाणित बीज ही उपयोग करें। चने की संस्तुत किस्मों का विवरण तालिका में दिया गया है।

बीज की मात्रा एवं बीजोपचार – चने की फसल से अधिक पैदावार लेने के लिए पौधों की संख्या तीन से साढ़े तीन लाख / हेक्टेयर होनी चाहिए। इसके लिए प्रति वर्गमीटर 30 से 35 पौधे होना चाहिये। सामान्य रूप से इस पौध संख्या को प्राप्त करने के लिए 75 से 100 किलोग्राम बीज / हेक्टेयर की आवश्यकता किस्मों के बीज आकार के अनुसार होती है। कतारों से कतारों की दूरी 30 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 से.मी. रखकर वांछित पौध संख्या प्राप्त की जा सकती है।

बुवाई के पूर्व बीज को फफूंदनाशक दवा से अवश्य उपचारित करें। थायरम 2 ग्राम तथा कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम प्रति किलो ग्राम बीज के हिसाब से उपचारित करें। इसके बाद बीज को राइजोबियम तथा पीएचबी कल्चर से 5 ग्राम प्रत्येक को प्रति किलो ग्राम बीज के हिसाब से उपचारित करें और उपचारित बीज को छाया में सुखाकर बोआई करें। राइजोबियम कल्चर जे.पी.एस 65 का उपयोग लाभप्रद पाया गया है।

बोने का समय– सामान्य बोनी का समय 15 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक है। सिंचित खेती के लिए नवंबर अन्त तक बोआई कर सकते हैं। देर से बोनी की स्थिति में उपयुक्त जाति का चयन करें तथा दिसंबर के प्रथम सप्ताह तक बोनी करें।

खाद एवं उर्वरक – मिटटी परीक्षण के अनुसार खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए। चने की फसल को सामान्यत- 15 से 20 किलोग्राम नत्रजन , 45 ङ्क 50 किलो ग्राम स्फुर 20 किलोग्राम पौटाश की आवश्यकता होती है। सिंचित फसल में उपरोक्त नत्रजन एंव पोटाश के साथ स्फुर 60 किलोग्राम प्रति हेक्टर दें। देर से बोई गई चने की फसल में नत्रजन 40 किलोग्रमा प्रति हेक्टर की दर से दें। जीवाणु खाद राइजोबियम तथा पी.एच.बी. के साथ 2.5 टन प्रति हेक्टर कम्पोस्ट खाद का उपयोग लाभप्रद होता है।

असिंचित खेती में लाभदायक उपाय– चने की असिंचित खेती में नमी की कमी ही मुख्य समस्या होती है। इससे अंकुरण कम हो सकता है तथा पौधों की बढ़वार और बीज के आकार में कमी होने से उपज कम हो जाती है। इससे बचने के लिए बोआई के

पूर्व बखर, पाटा चलाकर नमी संरक्षित करें। वर्षा होने या सिंचाई देने के बाद हेण्ड हो आवश्य चलायें इससे नमी एवं खरपतवार संरक्षण होगा।

सिंचाई – चने की फसल के लिए सामान्यरूप से दो सिंचाई की आवश्यकता होती है। पहली सिंचाई फूल आने के पहले बुवाई के लगभग 40 ङ्क 50 दिन बाद तथा दूसरी सिंचाई घेंटियों में दाना भरते समय बुवाई के 60 - 65 दिन बाद करना चाहिए। यदि एक ही सिंचाई उपलब्ध है तो उसे फूल आने के पहले दें। अधिक सिंचाई करने से पौधों की बढ़वार अधिक होती है और उपज में कमी आती है। फब्बारा विधि से सिंचाई करें। बहाव विधि से सिंचाई करने पर खेत को छोटी क्यारियों में बांट कर सिंचाई करें। इसके लिए बुवाई के तुरन्त बाद खेत में नालियां बना देना चाहिए।

अन्तर्वर्तीय फसलें – चने में अलसी और गेहूं को अन्तर्वर्तीय फसल के रूप में सफलतापूर्वक लिया जा सकता है। चना की चार कतारों के बाद अलसी या गेहूं की दो कतार के हिसाब से बुवाई अधिक लाभप्रद होती है।

खरपतवार नियंत्रण – असिंचित खेती में खरपतवार कम आते है फिर भी बुवाई के लगभग एक माह बाद हेण्ड हो चलाएं जिससे खरपतवार नियंत्रतण होगा और नमी भी संरक्षित होगी। सिंचित फसल में नींदा नियंत्रण के लिए पेन्डिमिथलीन 1 लीटर प्रति हेक्टर 500 – 600 लीटर पानी मिलाकर अंकुरण पूर्व फलैट फेन नोजल से छिड़काव करें।

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 6 मई 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

• बैहर • बिरसा • कटंगी • तिरोड़ी • कटंगी • खैरलांजी • किरनापुर • लालबर्रा • लांजी • परसवाड़ा • वारासिवनी

रोजगार सहायक को हटाया जाए, वे पंचायत नहीं आते

बालाघाट में सरपंच-पंचों ने 8 मई को सामूहिक इस्तीफा देने की बात कही

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट कलेक्ट्रेट में मंगलवार को हंगामेदार स्थिति रही, जहां दो अलग-अलग मामलों को लेकर लोगों ने प्रशासन को घेरा। डोंगरिया पंचायत के प्रतिनिधियों ने जहां रोजगार सहायक को हटाने की मांग को लेकर सामूहिक इस्तीफे की धमकी दी, वहीं जनजातीय कार्य विभाग के कर्मचारियों ने महीनों से रुके वेतन (मानदेय) के लिए आवाज उठाई।

डोंगरिया पंचायत के उपसरपंच दयाराम बाजनघाटे और अन्य पंचों का आरोप है कि रोजगार सहायक धनराज बाजनघाटे पिछले कई महीनों से पंचायत ही नहीं आ रहे हैं। इस वजह से गांव के सरकारी काम और लोगों की योजनाएं पूरी तरह ठप पड़ी हैं।

पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि वे गणतंत्र दिवस पर ही उसे हटाने का प्रस्ताव पास कर चुके हैं, लेकिन अफसर सुन नहीं रहे। अब उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर 2 दिन में कार्रवाई नहीं हुई, तो 8 मई को सरपंच और सभी पंच एक साथ अपना इस्तीफा प्रशासन को सौंप देंगे।

7 महीनों से नहीं मिला वेतन, कैसे मनेगी दिवाली?

दूसरी तरफ, जनजातीय कार्य विभाग के अंशकालीन कर्मचारी अपने मानदेय के लिए भटक रहे हैं। संघ के जिलाध्यक्ष संतोष चौधरी ने बताया कि इन कर्मचारियों को सिर्फ 5 हजार रुपए महीना मिलता है, लेकिन पिछले 7-8 महीनों से फूटी कौड़ी भी नहीं मिली है। कर्मचारियों का कहना है कि इतनी महंगाई में बिना पैसों के घर चलाना नामुमकिन हो गया है। उन्होंने साफ लहजे में कहा है कि अगर जल्द भुगतान नहीं हुआ, तो वे काम बंद कर धरना प्रदर्शन शुरू कर देंगे। प्रशासन ने दोनों पक्षों की बात सुनी है, लेकिन अब देखना यह है कि क्या समय रहते इन समस्याओं का समाधान होता है या 8 मई को पंचायत प्रतिनिधि वाकई इस्तीफा दे देते हैं।

कान्हा बना बाघों की कब्रगाह

9 दिन में 5 बाघों की मौत पर कांग्रेस का हल्ला बोल सिस्टम पर 'कत्ल' का आरोप

'जिसे दुनिया 'टाइगरों का स्वर्ग' कहती थी, आज वही कान्हा नेशनल पार्क बाघों के लिए काल बन गया है। महज 9 दिनों के भीतर बाघिन टी-141 और उसके 4 मासूम शावकों की मौत ने मध्य प्रदेश के 'टाइगर स्टेट' के तमगे पर कालिख पोत दी है। इस हृदयविदारक घटना को लेकर अब राजनीति सुलग उठी है। कांग्रेस नेता मनीष कुशवाहा ने इसे 'सिस्टम द्वारा किया गया नरसंहार' करार देते हुए भाजपा सरकार और वन विभाग को सीधे कटघरे में खड़ा किया है। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि 7 दिनों में लापरवाह अफसरों पर गाज नहीं गिरी, तो कान्हा के गेट पर उग्र आंदोलन छेड़ा जाएगा।'

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

मनीष कुशवाहा, कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग जिला अध्यक्ष

आंकड़ों में टाइगर स्टेट की शर्मिंदगी

मध्य प्रदेश 785 बाघों के साथ देश का नंबर वन टाइगर स्टेट है, लेकिन सुरक्षा के मामले में फिसड्डी साबित हो रहा है। मनीष कुशवाहा ने आंकड़े रखते हुए बताया कि इस साल 7 जनवरी से अब तक प्रदेश में 27 बाघों की मौत हो चुकी है। अकेले अप्रैल महीने में कान्हा ने 7 बाघ खो दिए हैं। ढिगडोला जैसे चर्चित बाघों की संदिग्ध मौतें बताती हैं कि वन विभाग बेजुबान वन्यजीवों की सुरक्षा करने में अक्षम साबित हो रहा है।

21 अप्रैल से 28 अप्रैल के बीच कान्हा टाइगर रिजर्व से जो खबरें आई, उन्होंने वन्यजीव प्रेमियों का दिल दहला दिया। पहले एक-एक कर शावक मरे और फिर उनकी माँ (बाघिन ञ्च-141 अमाही) ने भी दम तोड़ दिया। कांग्रेस नेता मनीष कुशवाहा का आरोप है कि जब पहले तीन शावकों की मौत हुई, तब भी वन अमला गहरी नींद में था। बाघिन और आखिरी शावक को तब क्वारंटाइन किया गया जब पानी सिर के ऊपर से गुजर चुका था। कांग्रेस का कहना है कि यह इलाज नहीं, बल्कि विभाग की निगरानी में मौत का इंतजार था।

वैक्सीनेशन में लापरवाही, गिर जैसी त्रासदी की ओर कान्हा

मनीष कुशवाहा ने तकनीकी खामियों पर प्रहार करते हुए कहा कि एनटीसीए के स्पष्ट निर्देश हैं कि टाइगर रिजर्व के 5 किमी के दायरे में आने वाले पालतू कुत्तों का टीकाकरण अनिवार्य है ताकि सीडीव्ही जैसा घातक वायरस जंगल में न फैले। लेकिन कान्हा प्रबंधन इस मोर्चे पर पूरी तरह फेल रहा। विभाग के अफसर वन्यप्राणियों को बचाने के बजाय मैनेजमेंट इवेंट्स और वीआईपी संस्कृति में मशगूल हैं। 2018 में गिर के जंगलों में 30 शेरों की मौत सीडीव्ही से हुई थी, कांग्रेस का आरोप है कि लापरवाही के चलते कान्हा भी उसी राह पर बढ़ रहा है।

पर्यटन और रोजगार पर मंडराता खतरा

कांग्रेस ने इस मुद्दे को स्थानीय अर्थव्यवस्था से भी जोड़ा है। कान्हा नेशनल पार्क से हजारों परिवारों की रोजी-रोटी जुड़ी है। मनीष कुशवाहा के अनुसार, अगर बाघ नहीं बचेंगे, तो पर्यटक नहीं आएंगे। पर्यटक नहीं आएंगे, तो गाइड, जिप्सी चालक और होटल कर्मियों के सामने भुखमरी की स्थिति पैदा हो जाएगी। बाघों का संरक्षण केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि स्थानीय रोजगार की सुरक्षा भी है।

वन विभाग जहाँ इस मौतों के पीछे 'फेफड़ों के संक्रमण' और 'कैनाइन डिस्टेंपर वायरस' का तर्क दे रहा है, वहीं बैहर विधायक संजय उइके के दावों ने विभाग की पोल खोल कर रख दी है। विधायक के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दो शावकों के पेट पूरी तरह खाली मिले हैं, जो चीख-चीख कर कह रहे हैं कि बाघों की मौत बीमारी से नहीं बल्कि 'भूख' से हुई है। क्या दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित टाइगर रिजर्व में बाघों को भोजन नसीब नहीं हो रहा? यह सवाल आज पूरी सरकार को चुभ रहा है।

भाजपा सरकार से तीखे सवाल: मनीष कुशवाहा ने सीधे मुख्यमंत्री और वन मंत्री से सवाल पूछा है कि आखिर मध्य प्रदेश बाघों की सुरक्षा में बार-बार फेल क्यों हो रहा है? क्या अफसरों की फाइलें बाघों की जान से ज्यादा कीमती हैं? कांग्रेस की इस तेजतर्रार घेराबंदी ने प्रशासन को बैकफुट पर ला दिया है। टाइगर बचाओ, जंगल बचाओ, रोजगार बचाओ के नारे के साथ अब यह लड़ाई सड़कों पर उतरने को तैयार है। यदि 7 दिन में ठोस कार्रवाई नहीं होती, तो कान्हा के गेट पर होने वाला धरना सरकार की मुश्किलों को और बढ़ा सकता है।

बालाघाट नपा ने किया शहर का सौंदर्यीकरण, बनेगा शहीद पार्क

वॉटर फाउंडेन, वन्यजीव प्रतिमाओं का अनावरण

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट नगर पालिका परिषद ने शहर के सौंदर्यीकरण के लिए नई पहल की है। इसके तहत काली पुतली चौक पर वॉटर फाउंडेन, एलआईसी चौक पर वॉटर फॉल और कोतवाली के सामने वन्यजीवों की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। इन परियोजनाओं का अनावरण आयोग सदस्य मौसम बिसेन, भाजपा अध्यक्ष रामकिशोर कावरे और नपाध्यक्ष भारती ठाकुर ने किया।

कोतवाली थाने के सामने डिवाइडर पर बाघ, शेर, मोर, बारहसिंगा और जिराफ जैसी वन्यजीवों की प्रतिमाएं लगाई गई हैं। यह पहल शहर की सुंदरता बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है। सौंदर्यीकरण के साथ-साथ, नगर पालिका नक्सली गतिविधियों में शहीद हुए जवानों के इतिहास को बनाए रखने के लिए एक शहीद पार्क का निर्माण भी करने जा रही है। नपाध्यक्ष भारती ठाकुर ने बताया कि इस पार्क में उन वीर जवानों और शहीदों की स्मृतियों को संजोया जाएगा, जिन्होंने अपने साहस और बलिदान से बालाघाट जिले को नक्सलवाद से मुक्त कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ठाकुर ने यह भी बताया कि नगरीय क्षेत्र में सौंदर्यीकरण का यह कार्य नगरवासियों को एक सौगात के रूप में दिया जा रहा है। उन्होंने नगर की जनता से शहर में स्वच्छता बनाए रखने की अपील भी की।

4115 क्विंटल चना की समर्थन मूल्य पर हुई खरीदी

बालाघाट। किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम दिलाने के लिए प्रदेश शासन द्वारा रबी उपार्जन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर चना खरीदी की व्यवस्था की गई है। जिले में समर्थन मूल्य पर चना की खरीदी के लिए गोदाम स्े तर पर 08 केंद्र बनाये गए है। इन केंद्रो पर 05 मई तक 209 किसानों से 02 करोड 41 लाख 75 हजार रुपए का 4115 क्विंटल चना खरीदा जा चुका है।

उपसंचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने बताया कि समर्थन मूल्य पर चना विक्रय के लिए जिले के 2609 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। जिले में चने की खरीदी 30 मार्च 2026 से प्रारंभ की गई है। चने की खरीदी 5875 रुपए प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। समर्थन मूल्य पर चना की खरीदी 28 मई 2026 तक की जाएगी। चना विक्रय के लिए पंजीयन कराने वाले किसान अंतिम तिथि 28 मई के 10 दिन पूर्व तक स्लॉट बुक कर सकते है।

मॉयल कंपनी सुरक्षा गार्ड का शव पेड़ पर मिला

एक साल पहले भरवेली से तिरोड़ी हुआ था ट्रांसफर, पुलिस बोली-हर एंगल से करेंगे जांच

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट के तिरोड़ी मॉयल में सिक्युरिटी गार्ड के पद पर तैनात हीरासिंह पिता अनंतसिंह उईके (56) का शव मंगलवार को भरवेली थाना क्षेत्र के मंझाराटोला में एक पेड़ पर फांसी पर लटका मिला। हीरा सिंह सोमवार सुबह 9 बजे घर से ड्यूटी पर जाने की बात कहकर निकले थे। उनकी पत्नी से अंतिम बार मोबाइल पर सुबह 11:30 बजे बात हुई थी।

भरवेली पुलिस ने बताया कि पेड़ पर शव मिलने की सूचना के बाद उसे बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि हीरासिंह की मौत आत्महत्या है या हत्या, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही साफ हो पाएगा। हीरा सिंह के बेटे विशाल उईके ने जानकारी दी कि जब उनके पिता ड्यूटी पर नहीं पहुंचे तो उनका मोबाइल स्विच ऑफ मिला। उन्होंने साथ काम करने वालों और रिश्तेदारों से भी संपर्क किया, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। विशाल ने बताया कि उनके पिता को कोई परेशानी नहीं थी, और वे समझ नहीं पा रहे कि उन्होंने ऐसा कदम क्यों उठाया। हीरासिंह का पैतृक घर मंझाराटोला में है, जबकि वे परिवार के साथ भरवेली में रहते थे। लगभग एक साल पहले उनका स्थानांतरण भरवेली मॉयल से तिरोड़ी मॉयल हो गया था।

एनसीसी कैंप का दूसरा दिन अनुशासन और उत्साह के साथ संपन्न

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

6 म.प्र. बटालियन एनसीसी, बालाघाट के तत्वाधान में आयोजित 95वें संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी-95) का दूसरा दिन ऊर्जा, अनुशासन और विविध गतिविधियों के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

शिविर के कैम्प कमाण्डेन्ट लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता ने ओपनिंग एड्रेस में कैडेट्स को संबोधित करते हुए एकता और अनुशासन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी कैडेट्स को प्रशिक्षण के दौरान अनुशासन का पालन करते हुए अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि एनसीसी शिविर कैडेट्स के व्यक्तित्व विकास में अहम भूमिका निभाता है और उन्हें जिम्मेदार तथा राष्ट्रहित में समर्पित नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता है।

कैम्प कमाण्डेन्ट ने अपने संबोधन में कर्तव्यनिष्ठा, सुदृढ़ चरित्र और मानवीय मूल्यों के साथ कार्य करने की प्रवृत्ति विकसित करने पर विशेष बल दिया। दूसरे दिन के कार्यक्रमों के अंतर्गत कैडेट्स ने ड्रिल अभ्यास में भाग लिया। साथ ही फायरिंग में जाने वाले कैडेट्स को प्रारंभिक शस्त्र संबंधी जानकारी दी गई। संगीत में रुचि रखने वाले कैडेट्स के लिए गिटार प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त नियमित एनसीसी कक्षाओं का भी संचालन किया गया। शिविर में द्वितीय एनसीसी अधिकारी कल्पना थोंबरे, द्वितीय एनसीसी अधिकारी नवीता मैथ्यु, हवलदार किरण कुमार एवं हवलदार रामदेव सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे और प्रशिक्षण गतिविधियों को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

अनियमितताओं पर बनाया पंचनामा; कहा- भीषण गर्मी में किसानों को इंतजार कराना विफलता

विधायक ने किया गेहूं खरीदी केंद्र का निरीक्षण

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

नागरिक आपूर्ति निगम ने अधिक खरीदी को बताया कारण

बारदान की समस्या पर नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंधक हरीश कोरी ने कहा कि उम्मीद से अधिक गेहूं खरीदी होने के कारण स्टॉक कम पड़ा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही नए बारदाने उपलब्ध करा दिए जाएंगे। वर्तमान में जिले के 13 केंद्रों पर समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी की प्रक्रिया चल रही है।

बालाघाट जिले के लालबर्रा स्थित शासकीय गोदाम परिसर में विधायक अनुभा मुंजारे ने गेहूं खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया। किसानों से मिली शिकायतों के बाद विधायक ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान किसानों ने बारदाने की कमी के कारण घंटों इंतजार करने की समस्या बताई।

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी ने अनियमितताओं पर बनाया पंचनामा

विधायक के साथ पहुंचे कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुनील किरार ने केंद्र पर गंभीर लापरवाही पाई। बारदाना पंजी में रिकॉर्ड का संधारण नहीं किया गया था और गेहूं के रख-रखाव में भी अव्यवस्था मिली। इन अनियमितताओं पर अधिकारी ने मौके पर ही पंचनामा तैयार किया और मामले को कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत करने की बात कही।

भीषण गर्मी में किसानों को इंतजार कराना प्रशासन की विफलता

विधायक अनुभा मुंजारे ने केंद्र पर अव्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी को व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए और फोन पर वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से बारदाने की तत्काल आपूर्ति के संबंध में चर्चा की। विधायक ने कहा कि भीषण गर्मी में किसानों को इंतजार कराना प्रशासन की विफलता है।

ग्राम सेरवी में एफटीके प्रशिक्षण आयोजित

ग्रामीणों को सिखाई गई पेयजल गुणवत्ता जांच की विधि

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट विकासखंड अंतर्गत ग्राम सेरवी में मंगलवार को फील्ड टेस्ट किट (एफटीके) के माध्यम से जल गुणवत्ता जांच का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर पेयजल की गुणवत्ता की नियमित निगरानी सुनिश्चित करना एवं जलजनित बीमारियों की रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद पंचायत बालाघाट की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती ममता कुलस्ते, महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी श्री शैलेन्द्र चौकसे, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से सहायक यंत्री श्री सत्यम पटेल, उपयंत्री के.के. धमनिया तथा ब्लॉक समन्वयक सपन नाथ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, सरपंच, पंचों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने एफटीके किट के उपयोग की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार पानी के नमूने लेकर उसकी जांच की जाती है। प्रतिभागियों को क्लोरीन, पीएच, आयरन सहित विभिन्न मानकों की सरल तरीके से पहचान करने की विधि सिखाई गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय स्तर पर जल गुणवत्ता की नियमित जांच अत्यंत आवश्यक है। इससे दूषित पानी की पहचान समय रहते हो जाती है और हैजा, टायफाइड, डायरिया जैसी जलजनित बीमारियों से बचाव संभव होता है।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया, जिसमें उन्होंने स्वयं एफटीके किट का उपयोग कर पानी की जांच प्रक्रिया को समझा। साथ ही जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने, पानी के सुरक्षित भंडारण और उपयोग के तरीकों पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों से अपील की गई कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान का उपयोग अपने-अपने क्षेत्रों में करें तथा अन्य ग्रामीणों को भी स्वच्छ पेयजल के प्रति जागरूक बनाएं।

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 6 मई 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

● माइक्रो फाइनेंस कंपनी में कार्यरत सहकर्मी के कमरे में मिला युवती का शव।

27 वर्षीय युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत !

परिजनों ने जताया हत्या की आशंका

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

रूपाली बघेल, मृतिका।

सिवनी शहर के एक रिहायशी इलाके हाउसिंग बोर्ड, शुभम नगर में कल उस वक्त हड़कंप मच गया, जब 27 वर्षीय रूपाली बघेल निवासी ग्राम मझगांवा (धनौरा) का शव किराए के कमरे में रहने वाले राम तिवारी नामक युवक के कमरे में संदिग्ध अवस्था में बरामद हुआ ! घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उसके बाद परिजनों द्वारा मृतिका का अंतिम संस्कार कर दिया गया। आपको बता दें कि मृतिका के परिजनों के अनुसार प्रारंभिक जांच में सिवनी पुलिस इसे आत्महत्या का मामला मानकर चल रही है, लेकिन घटनास्थल की परिस्थितियों और रूपाली के शरीर पर मौजूद निशानों को देखते हुए परिजनों ने हत्या की आशंका व्यक्त किया है, जिससे मामला पेचीदा होता नजर आ रहा है।

परिजनों ने जताया हत्या की आशंका !

शव के पोस्टमार्टम के बाद मृतिका के चाचा कमलेश बघेल ने बताया कि मृतक माइक्रो फाइनेंस कंपनी में कार्य करती थी एवं वह सिवनी में किराये का कमरा लेकर पिछले दो-तीन वर्षो से रह रही थी और अपने गांव से आना जाना करती थी। सोमवार की शाम लगभग आठ बजे शव हाउसिंग बोर्ड शुभम नगर सिवनी के एक घर में फांसी के फंदे पर होने की सूचना परिवार को कोतवाली पुलिस से मिली। रूपाली के परिजनों ने पुलिस की 'आत्महत्या' वाली थ्योरी को सिरे से खारिज कर दिया है। परिजनों का आरोप है कि रूपाली को साजिश के तहत राम तिवारी वह भी माइक्रो फाइनेंस कंपनी में काम करता है उसने बुलाया और वहां उसकी किसी वजह से हत्या कर दी गई।

कमलेश बघेल, मृतिका के चाचा : आत्महत्या नहीं यह हत्या है।

थाना प्रभारी ने कहा, परिवार की मौजूदगी में बनाया गया है पंचनामा।

कोतवाली थाना प्रभारी सतीश तिवारी ने बताया कि कमरे में युवती का शव फांसी में फंदे में होने की तत्काल सूचना परिवार के सदस्यों को दी गई थी। परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। प्रारंभिक रूप से युवती की मौत फांसी लगाने के कारण हुई। मौत का कारण फिलहाल अज्ञात है, पुलिस मामले में जांच कर रही है। युवती का बिसरा भी फारेंसिक जांच के लिए भेजा जा रहा है। मोबाइल फोन का सीडीआर व अन्य जानकारियां एकत्रित की गई हैं। जिस युवक के कमरे में युवती ने फांसी लगाई है, उससे भी पूछताछ की जा रही है। मर्ग कायम कर प्रकरण में विस्तृत जांच की जा रही है।

कमरे का दरवाजा टूटा था

जब युवती के पिता, चाचा सहित परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे, तो जिसे कमरे में युवती ने फांसी लगाई थी, उसका दरवाजा तोड़ा जा चुका था। जहां युवती का शव मिला है वहां राम तिवारी नाम का युवक किराए से रहता है। युवती जिस माइक्रो फाइनेंस कंपनी में कार्यरत थी वहीं युवक भी कार्य करता है।

सतीश तिवारी, थाना प्रभारी सिवनी : जांच में होगा खुलासा, आत्महत्या का कारण भी पता लगाए जा रहे है।

लौटकर कमरे में फंदे पर देखा शव

राम तिवारी के अनुसार घटना के दौरान वह अपनी कंपनी के कार्यालय गया था, जबकि कमरे में युवती मौजूद थी। जब युवक वापस लौटकर आया तो उसने युवती को फांसी के फंदे पर देखकर पुलिस को सूचना दी, जिस पर डायल 112 व कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची।

सड़कों पर आई 'अपनों' की जंग

छिंदवाड़ा भाजपा में 'दो फाड़' जीत के जश्न ने खोली गुटबाजी की पोल

राजनीति में कहा जाता है कि जीत सारे मतभेदों को मिटा देती है, लेकिन छिंदवाड़ा भाजपा में इसके उलट ही नजारा देखने को मिल रहा है। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा की शानदार जीत का जश्न मनाने के बहाने जिले में चल रही अंतर्कलह अब सड़कों पर आ गई है। एक तरफ संगठन की ताकत दिखाने के लिए जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने मोर्चा संभाला, तो दूसरी तरफ सांसद बंटी विवेक साहू के समर्थकों ने अलग शक्ति प्रदर्शन कर यह साफ कर दिया कि पार्टी के भीतर 'सब कुछ ठीक नहीं है'। जीत की खुशी साझा होने के बजाय दो दफ्तरों और दो गुटों में बंट गई है, जिसने जिले की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है।

छिंदवाड़ा | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

देश के तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की बढ़त और जीत ने कार्यकर्ताओं में जोश तो भरा, लेकिन छिंदवाड़ा में यह जोश एकजुटता के बजाय गुटबाजी के रंग में रंगा नजर आया। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव के नेतृत्व में पार्टी कार्यालय में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहाँ आतिशबाजी और मिठाइयों के साथ जीत का जश्न मनाया गया। संगठन के नजरिए से यह आधिकारिक कार्यक्रम था, लेकिन इस दौरान सांसद खेमे की दूरी चर्चा का विषय बनी रही।

दूसरी ओर, सांसद बंटी विवेक साहू के समर्थकों ने सांसद कार्यालय में एक अलग कार्यक्रम आयोजित किया। मजे की बात यह है कि इस कार्यक्रम का आधार केवल पार्टी की जीत नहीं, बल्कि सांसद की निजी उपलब्धि को बनाया गया। सांसद कार्यालय से मीडिया को बाकायदा मेल भेजकर यह जानकारी साझा की गई कि असम चुनाव में बंटी विवेक साहू को जिन 6 सीटों की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, वहां भाजपा प्रत्याशी प्रचंड मतों से जीत रहे हैं। समर्थकों ने इसे सांसद बंटी विवेक साहू की मेहनत का रंग करार दिया। हालांकि सांसद बंटी विवेक साहू अपने कार्यालय में उपस्थित नहीं थे, बताया जा रहा है वह किसी विवाह कार्यक्रम में पहुंचे थे।

छिंदवाड़ा भाजपा की यह तस्वीर आने वाले समय में जिले की राजनीति के लिए बड़े संकेत दे रही है। यदि जीत के समय भी पार्टी एक नहीं हो सकती, तो आगामी चुनौतियों में यह बिखराव संगठन को भारी पड़ सकता है। फिलहाल, जनता और राजनीतिक पंडित यही पूछ रहे हैं कि ये जश्न जीत का है या अपनी-अपनी जमीन बचाने का?

बंटी विवेक साहू, सांसद।

शेषराव यादव, जिलाध्यक्ष भाजपा।

सांसद बंटी विवेक साहू के कार्यालय में जश्न मानते समर्थक।

भाजपा कार्यालय में जीत की खुशी जाहिर करते कार्यकर्ता।

पीठ थपथपाने की राजनीति पर उठे सवाल

राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है कि जब पूरी पार्टी तीन राज्यों की बम्पर जीत का उत्सव मना रही है, तब बंटी विवेक साहू केवल अपनी प्रभार वाली सीटों का श्रेय लेने में जुटे हैं। आलोचकों का कहना है कि सांसद को पार्टी की सामूहिक जीत से ज्यादा अपनी ब्रांडिंग की चिंता है। भाजपा के पुराने कार्यकर्ताओं के बीच यह चर्चा का विषय है कि क्या व्यक्तिगत उपलब्धियां संगठन के अनुशासन से ऊपर हो गई हैं?

सार्वजनिक हुई अंदरूनी कलह

वैसे तो ऐसी बड़ी जीत पर सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को एक ही झंडे के नीचे, एक ही स्थान पर एकत्रित होकर जश्न मनाना चाहिए था। लेकिन छिंदवाड़ा में भाजपा कार्यालय और सांसद कार्यालय के बीच खिंची यह लकीर बताती है कि भीतर ही भीतर मतभेदों की खाई कितनी गहरी हो चुकी है। अलग-अलग जश्न मनाकर दोनों गुटों ने अपनी अंदरूनी लड़ाई को सार्वजनिक मंच पर ला खड़ा किया है, जिससे आम जनता और विपक्षी दलों को चुटकी लेने का मौका मिल गया है।

कार्यकर्ताओं में असमंजस की स्थिति

नेताओं की इस नूराकुश्ती का सबसे बुरा असर जमीनी कार्यकर्ताओं पर पड़ रहा है। कार्यकर्ता इस दुविधा में दिखे कि वे संगठन के साथ खड़ें हों या सांसद के शक्ति प्रदर्शन का हिस्सा बनें। इस घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि छिंदवाड़ा भाजपा में अब वर्चस्व की लड़ाई किसी बंद कमरे की बात नहीं रह गई है, बल्कि यह अब खुलेआम सड़कों पर लड़ी जा रही है।

सिवनी प्रशासन की अनोखी पहल

लखनादौन में कलेक्टर नेहा मीना ने खुद सुनीं जनता की समस्याएं

लखनादौन | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

सिवनी कलेक्टर नेहा मीना की एक बेहद सराहनीय और संवेदनशील पहल ने प्रशासन को सीधे जनता के द्वार तक पहुँचा दिया है। आमजन की सुविधा और उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से जनपद पंचायत लखनादौन में एक विशेष जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस अभिनव प्रयास का सबसे बड़ा लाभ यह हुआ कि दूर-दराज के ग्रामीणों और स्थानीय नागरिकों को अपनी शिकायतों के लिए अब जिला मुख्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ रहे हैं, बल्कि उनके अपने क्षेत्र में ही उनकी आवाज़ सुनी जा रही है।

विशेष जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर नेहा मीना ने स्वयं उपस्थित रहकर प्रत्येक आवेदक की समस्याओं को अत्यंत आत्मीयता और धैर्य के साथ सुना। उन्होंने न केवल लोगों की शिकायतों को समझा, बल्कि मौके पर मौजूद अधिकारियों को उनके त्वरित और प्रभावी निराकरण के कड़े निर्देश भी दिए।

इस दौरान राजस्व, पंचायत, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, खाद्य और कृषि जैसे महत्वपूर्ण विभागों के अधिकारी एक ही छत के नीचे मौजूद रहे, जिससे आपसी समन्वय के साथ कई जटिल मामलों का मौके पर ही निपटारा सुनिश्चित किया गया।

बड़ी संख्या में पहुँच रहे नागरिकों के बीच यह पहल विश्वास और संतोष का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरी है। स्थानीय स्तर पर शिकायतों के समाधान की इस व्यवस्था से न केवल लोगों के समय और धन की बचत हो रही है, बल्कि शासन-प्रशासन के प्रति आमजन का भरोसा भी और अधिक मजबूत हुआ है। कलेक्टर की इस सक्रियता और स्पॉट सेटलमेंट की कार्यप्रणाली की क्षेत्र में चहुंओर प्रशंसा की जा रही है।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की गूँज कटंगी में भाजपा का विजय शंखनाद

कटंगी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनावों के हालिया चुनावी नतीजों में भारतीय जनता पार्टी के प्रभावशाली प्रदर्शन ने देशभर के कार्यकर्ताओं में नया जोश भर दिया है। इसी कड़ी में बालाघाट जिले के कटंगी मुख्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस शानदार सफलता का जश्न ऐतिहासिक उत्साह के साथ मनाया। नगर के व्यस्त सिनेमा चौक पर आयोजित इस विजय उत्सव में क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता एकत्रित हुए।

पूरा सिनेमा चौक उस समय भगवामय नज़र आया जब कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर जमकर नृत्य किया और जोरदार आतिशबाजी से आसमान गुंजायमान कर दिया। इस उत्सव की सबसे खास बात पार्टी द्वारा बंगाल की संस्कृति का सम्मान करना रही। जहाँ कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक मिठाइयों के साथ-साथ प्रसिद्ध बंगाली व्यंजन झालमुरी का वितरण कर जीत का स्वाद साझा किया। कार्यकर्ताओं के अनुसार, यह सफलता केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि अंत्योदय और राष्ट्रवाद की विचारधारा की स्वीकार्यता है।

विधायक गौरव सिंह पारधी का संबोधनः दमन के अंत की शुरुआत

इस अवसर पर प्रेस को संबोधित करते हुए विधायक गौरव सिंह पारधी ने इन परिणामों को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की बड़ी जीत करार दिया। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा कि दशकों से वामपंथ और ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार ने बंगाल की पावन धरा पर राष्ट्रवाद की जड़ों को कमजोर करने का प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि यह जीत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के संकल्पों की विजय है। बंगाल वह भूमि है जिसने स्वामी विवेकानंद, गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर और बंकिम चंद्र चटर्जी जैसे मनीषी दिए, जिन्होंने राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ाया दुर्भाग्यवश, दमनकारी राजनीति ने इस गौरव को दबाने की कोशिश की थी, लेकिन अब बंगाल की जनता ने अपनी संस्कृति की रक्षा के लिए स्पष्ट जनादेश दिया।

आधार सेवाओं के लिए विशेष अभियान 8 और 9 मई को सुबह से शाम तक खुलेंगे केंद्र

सिवनी। आमजन की सुविधा और आधार सेवाओं को सुलभ बनाने के उद्देश्य से डाक विभाग द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। अधीक्षक डाकघर बालाघाट संभाग के मार्गदर्शन में आगामी 8 और 9 मई 2026 को आधार एनरोलमेंट और अपडेशन के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का लाभ सिवनी जिले के प्रधान डाकघर सहित छपारा, बरघाट, घंसौर और लखनादौन जैसे प्रमुख उपडाकघरों में लिया जा सकेगा।

कलेक्टर की अध्यक्षता में कोटपा अधिनियम पर हुई कार्यशाला

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

जिले में सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम-2003 के प्रभावी क्रियान्वयन और अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जहाँ तंबाकू नियंत्रण को लेकर आगामी कार्ययोजना और सख्त वैधानिक कार्यवाही पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर नेहा मीना ने स्पष्ट किया कि तंबाकू नियंत्रण केवल एक प्रशासनिक कार्य नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा एक गंभीर विषय है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने कार्यक्षेत्रों में कोटपा-2003 के प्रावधानों का कड़ाई से पालन करवाएं। कलेक्टर ने विशेष रूप से नियमित निरीक्षण, नियमों का उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्यवाही, और जिले को तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान व तंबाकू मुक्त गाँव की श्रेणी में लाने के लिए जन-जागरूकता गतिविधियों को तेज करने पर जोर दिया।

तंबाकू के दुष्परिणाम और कानूनी प्रावधान

कार्यशाला में म.प्र. वॉलंट्री हेल्थ एसोसिएशन इंदौर के प्रतिनिधि नयन पाण्डेय ने चौंकाने वाले आँकड़े साझा करते हुए बताया कि देश में हर साल लगभग 13 से 14 लाख लोग तंबाकू के सेवन के कारण अपनी जान गँवा देते हैं। उन्होंने अधिनियम की विभिन्न धाराओं की जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि ई-सिगरेट और हुक्का बार पूरी तरह प्रतिबंधित हैं।

विभागीय समन्वय और जन-भागीदारी पर जोर

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर ने शिक्षा और पंचायती राज विभाग से अपील की कि वे भारत सरकार और राज्य शासन की गाइडलाइन के अनुसार शिक्षण संस्थानों और गाँवों को तंबाकू मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। वहीं, जिला नोडल अधिकारी डॉ. प्रदीप गेडाम ने कहा कि इस अभियान की सफलता के लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय अनिवार्य है। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के उद्देश्य से तंबाकू निषेध नियमों को सख्ती से लागू करें ताकि सिवनी जिले को तंबाकू मुक्त बनाने का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके।

कप्यूटर वर्ल्ड
सेल्स एंड सर्विस
लैपटॉप, कम्प्यूटर, सी.सी.टी.वी कैमरा, होम थियेटर, प्रिंटर, लेमिनेशन, फोटो कॉपियर, नेटवर्किंग, प्रोजेक्टर, कॉर्टरेज रिफलिंग

संपूर्ण कम्प्यूटर ऐससरीज उपलब्ध
पुराने कम्प्यूटर व लैपटॉप उपलब्ध

संपर्क- बैनगंगा कॉम्प्लेक्स, बस स्टैंड, सिवनी, मो.न.-9302833332

ARPIT TVS
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे
7898723789
Infront of Reliance Petrol-pump, Jabalpur Road, Jyarat Naka, Seoni 480661 (M.P)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433